राज्यपाल सचिवालय, बिहार

(जन–सम्पर्क शाखा)

बिहार लोक भवन, पटना–800022

संख्या–11/2026

प्रेस–विज्ञप्ति

राज्यपाल ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर गाँधी मैदान, पटना में राष्ट्रीय झंडोत्तोलन किया तथा बिहारवासियों को सम्बोधित किया

पटना 26 जनवरी, 2026 :– माननीय राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खां ने 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर गाँधी मैदान, पटना में राष्ट्रीय झंडोत्तोलन किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय धुन बजाई गई एवं राष्ट्रीय सलामी हुई। राज्यपाल के गाँधी मैदान पहुँचने पर उन्हें राष्ट्रीय सलामी दी गई तथा बाद में उन्होंने खुली जीप में परेड का निरीक्षण किया। राज्यपाल ने मार्च पास्ट की भी सलामी ली। उन्होंने शौर्य पुरस्कार से सम्मानित विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रशंसा–पत्र भी प्रदान किया। उन्होंने विभिन्न सरकारी विभागों/संगठनों द्वारा निकाली गयी झाँकियों का भी अवलोकन किया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने ऐतिहासिक गाँधी मैदान, पटना से राज्य की जनता को संबोधित करते हुए उन्हें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ दी। **(गाँधी मैदान, पटना में गणतंत्र दिवस–2026 के मुख्य समारोह में हुए माननीय राज्यपाल के अभिभाषण के मूल पाठ की प्रति संलग्न)।**

....

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी, 2026) के अवसर पर
श्री आरिफ मोहम्मद खां, माननीय राज्यपाल, बिहार का अभिभाषण
स्थल– गाँधी मैदान, पटना

मेरे प्रिय बहनों, भाइयों और बच्चों,

राष्ट्र के 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर आप सबको एवं समस्त बिहारवासियों और देशवासियों को मैं हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ।

आज ही के दिन वर्ष 1950 में हमारा देश एक गौरवशाली संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में स्थापित हुआ और संसदीय व्यवस्था पर आधारित शासन की नींव रखी गई। संविधान के माध्यम से राष्ट्र के सभी नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय तथा विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता सुनिश्चित की गई।

संविधान के द्वारा प्रदत्त प्रतिष्ठा और अवसर की समानता तथा लोगों को गरिमापूर्ण जीवन उपलब्ध कराने के सिद्धान्त हमारे पथ प्रदर्शक हैं। इन्हीं के सहारे देश के समग्र विकास की परिकल्पनायें पूरी हो रही हैं।

हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा और सुहृदयता और हमारे माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार ने हमेशा से सुशासन एवं न्याय के साथ विकास पर जोर दिया है और सभी क्षेत्रों और वर्गों के विकास के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। राज्य में कानून का राज स्थापित है और इसे बनाये रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सरकार द्वारा अपराध नियंत्रण एवं विधि–व्यवस्था संधारण के लिए सभी आयामों पर योजनाबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है। वर्ष 2005 में बिहार में पुलिस बल की संख्या बहुत कम थी। इसलिए शुरू से ही पुलिस बल की संख्या को बढ़ाने पर जोर दिया गया और अब पुलिस बल की संख्या 1 लाख 31 हजार हो गयी है और नियुक्ति तेजी से जारी है। पुलिस को बड़ी संख्या में वाहन एवं हथियार उपलब्ध कराये गये हैं।

राज्य में वर्ष 2005 की तुलना में हत्या, डकैती, लूट एवं फिरौती हेतु अपहरण की घटनाओं में बहुत कमी आयी है। अब किसी प्रकार के डर एवं भय का वातावरण नहीं है। आपातकालीन स्थिति जैसे– अपराध की घटना, आगजनी, वाहन दुर्घटना आदि से निपटने के लिए इमरजेंसी सेवा ''डायल–112'' संचालित की जा रही है, इसके बहुत अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। अब तक 52 लाख से अधिक लोगों को आपातकालीन सेवायें पहुँचायी जा चुकी हैं।

राज्य में सामाजिक सौहार्द्र एवं साम्प्रदायिक सद्‌भाव का माहौल कायम है। साम्प्रदायिक तनाव की घटनायें प्रकाश में आने पर पुलिस एवं प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई की जा रही है। राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2006 से ही राज्य के मिली–जुली आबादी वाले एवं संवेदनशील कब्रिस्तानों की घेराबंदी शुरू की गयी है। बड़े पैमाने पर कब्रिस्तानों की घेराबंदी की जा चुकी है। अब कोई झगड़ा–झंझट नहीं होता है। वर्ष 2016 से 60 वर्ष से पुराने मंदिरों की चहारदिवारी करायी गयी है जिससे चोरी आदि की घटनाओं में बहुत कमी आई है।

राज्य में सड़कों, पुल–पुलियों का निर्माण कराया गया है। राज्य के सुदूर क्षेत्रों से 6 घंटे में पटना पहुँचने के लक्ष्य को वर्ष 2016 में पूरा कर लिया गया था। अब राज्य में बड़ी संख्या में सड़कों एवं पुल–पुलियों, रेल ओवर ब्रिज, बाईपास एवं एलिवेटेड रोड का निर्माण किया गया है जिससे लगभग 5 घंटे में सबसे दूर वाले क्षेत्र से पटना पहुँचना संभव हुआ है।

वर्ष 2006 से अस्पतालों में मुफ्त दवा और ईलाज की पूरी व्यवस्था की गयी है। अब प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में हर महीने औसतन 11 हजार 600 मरीज आते हैं। पहले केवल 6 सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल थे, अब बढ़कर 12 हो गये हैं तथा शेष सभी 27 जिलों में नये मेडिकल कॉलेज बनाये जा रहे हैं, जिन्हें शीघ्र पूरा किया जायेगा।

पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल को 5 हजार 400 बेड तथा अन्य 5 पुराने मेडिकल कॉलेज को ढाई हजार बेड का किया जा रहा है। साथ ही पटना के इंदिरा गाँधी आयुर्विज्ञान संस्थान को 3 हजार बेड का बनाया जा रहा है।

सरकार द्वारा महिला सशक्तीकरण पर विशेष जोर दिया गया है और महिलाओं को रोजगार देने एवं उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई कदम उठाये गये हैं। वर्ष 2006 में पंचायती राज संस्थाओं एवं वर्ष 2007 में नगर निकायों में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण से शुरूआत की गयी है।

वर्ष 2013 से पुलिस में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। पुलिस में महिलाओं की संख्या 30 हजार से अधिक है, इस प्रकार पुलिस में महिलाओं की भागीदारी पूरे देश में सबसे अधिक है। वर्ष 2016 से महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है।

वर्ष 2006 में विश्व बैंक से कर्ज लेकर स्वयं सहायता समूहों का गठन किया जिसे ''जीविका'' नाम दिया गया। बिहार में जीविका के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में 11 लाख स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है जिससे 1 करोड़ 40 लाख से अधिक जीविका दीदियाँ जुड़ चुकी हैं। इनमें अधिकांश महिलायें गरीब परिवारों की हैं।

वर्ष 2024 से शहरी क्षेत्रों में भी स्वयं सहायता समूह का गठन हो रहा है जिनकी संख्या 41 हजार हो गयी है, इनमें लगभग 4 लाख 34 हजार जीविका दीदियाँ शामिल हैं। शहरी क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों का गठन लगातार जारी है।

राज्य सरकार द्वारा शुरू से शिक्षा पर जोर दिया गया है। पहले बहुत कम स्कूल थे और शिक्षकों की कमी थी। इसलिए बड़ी संख्या में नये स्कूल खोले गए, विद्यालयों की आधारभूत संरचनाओं को मजबूत किया गया तथा बड़ी संख्या में स्थानीय निकायों के माध्यम से नियोजित शिक्षकों की बहाली की गयी।

वर्ष 2023 से बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा बड़े पैमाने पर सरकारी शिक्षकों की नियुक्ति की गयी है। राज्य में स्थानीय निकायों द्वारा नियोजित शिक्षकों को परीक्षा लेकर सरकारी शिक्षक बनाया जा रहा है। अब कुल मिलाकर सरकारी शिक्षकों की संख्या 5 लाख 24 हजार हो गयी है।

वर्ष 2015 में सात निश्चय के तहत हर घर तक बिजली, हर घर नल का जल, हर घर शौचालय तथा टोलों को पक्की सड़कों से जोड़ने का काम शुरू किया गया और ये सभी काम पूरे हो चुके हैं। वर्ष 2018 में ही हर घर बिजली पहुँचा दी गयी। सरकार द्वारा शुरू से ही बहुत सस्ती दर पर बिजली दी गयी। अब लगभग सभी घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली मुफ्त दी जा रही है। सरकार की तरफ से सभी इच्छुक लोगों के घरों पर सोलर लगाये जायेंगे।

वर्ष 2020 से सात निश्चय–2 के तहत सभी योजनाओं पर काम हुआ है जिनमें ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाईट, हर खेत तक सिंचाई का पानी, टेलीमेडिसिन, बाल हृदय योजनायें शामिल हैं। इन योजनाओं के जो भी काम बचे हैं उन्हें शीघ्र पूरा किया जायेगा।

सात निश्चय–2 के तहत ही युवाओं के लिए 10 लाख नौकरी एवं 10 लाख रोजगार देना तय किया गया। अब तक 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी तथा 40 लाख लोगों को रोजगार दिया जा चुका है। दोनों को मिलाकर 50 लाख युवाओं को नौकरी एवं रोजगार दे दिया है। अगले 5 वर्षों में 1 करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है।

वर्ष 2008 से कृषि रोड मैप बनाकर काम किया जा रहा है जिससे कृषि के क्षेत्र में बहुत अच्छी प्रगति हुई है। वर्ष 2008 से 2012 तक पहला, 2012 से 2017 तक दूसरा, 2017 से 2023 तक तीसरा कृषि रोड मैप के तहत योजना चलायी गयी जिससे अनाज, फल, सब्जी, दूध, अंडा, मांस एवं मछली उत्पादन काफी बढ़ गया है।

मछली का उत्पादन ढाई गुना से अधिक हो गया है जिससे मछली के उत्पादन में बिहार आत्मनिर्भर हो गया है। साथ ही किसानों की आय बढ़ी है। वर्तमान में चौथे कृषि रोड मैप (वर्ष 2024 से 2029) के तहत योजनाओं पर तेजी से काम हो रहा है।

राज्य के हर क्षेत्र में विकास के काम कराये गये हैं। सरकार द्वारा प्रगति यात्रा के माध्यम से जिलों के विकास में जो कमियाँ रह गयी हैं उन्हें पूरा करने के लिए 430 नयी योजनाओं की स्वीकृति दी गयी है। हर जिले में इन योजनाओं पर काम शुरू हो चुका है। इन सभी कार्यों को शीघ्र पूरा करा लिया जायेगा।

अब सरकार द्वारा राज्य के विकास की गति को और तेज किया जायेगा। केन्द्र सरकार का भी राज्य को पूरा सहयोग प्राप्त हो रहा है। राज्य सरकार द्वारा अगले पाँच वर्षों (2025 से 2030) के लिए सात निश्चय– 3 के कार्यक्रम तैयार किये गये हैं।

पहला निश्चय है ''**दोगुना रोजगार और दोगुनी आय**''। इसके अंतर्गत राज्य की प्रति व्यक्ति औसत आय को दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के अंतर्गत प्रत्येक घर की एक महिला को 10 हजार रूपये की सहायता दी गयी है। जिन महिलाओं का रोजगार अच्छा चलेगा उन्हें 2 लाख रूपये तक की अतिरिक्त सहायता प्रदान की जायेगी।

दूसरे निश्चय ''**समृद्ध उद्योग – सशक्त बिहार**'' के तहत अगले 5 वर्षों में राज्य में उद्योग लगाने पर विशेष जोर दिया जायेगा। इसके लिए सभी जिलों में औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना की जायेगी। पुरानी बंद चीनी मिलों को चरणबद्ध तरीके से पुनः चालू किया जायेगा।

तीसरे निश्चय में ''**कृषि में प्रगति प्रदेश की समृद्धि**'' पर बल दिया गया है। कृषि विकास को और सशक्त करने के लिए एक नये बिहार विपणन प्रोत्साहन निगम की स्थापना की गयी है। मखाना के उत्पादन को बढ़ावा दिया जायेगा तथा डेयरी और मछली पालन पर विशेष जोर दिया जायेगा।

चौथा निश्चय ''**उन्नत शिक्षा – उज्ज्वल भविष्य**'' से जुड़ा है। राज्य के प्रत्येक प्रखंड में आदर्श विद्यालय और डिग्री कॉलेज खोले जायेंगे। इसके साथ ही पटना में एक नये एजुकेशन सिटी का निर्माण भी किया जायेगा।

पाँचवा निश्चय ''**सुलभ स्वास्थ्य – सुरक्षित जीवन**'' का है। जिला और प्रखंड स्तर के अस्पतालों को विशिष्ट चिकित्सा केन्द्र के रूप में विकसित किया जायेगा।

छठा निश्चय ''**मजबूत आधार – आधुनिक विस्तार**'' से संबंधित है। इसके अंतर्गत शहरों का विकास, नये नियोजित शहरों की स्थापना, पाँच नये एक्सप्रेस–वे सड़कों का निर्माण, ग्रामीण सड़कों का चौड़ीकरण, पर्यटन एवं इको–टूरिज्म का विकास करना शामिल है।

सातवाँ निश्चय ''**सबका सम्मान – जीवन को आसान**'' बनाना है। इसके तहत आधुनिक तकनीक और अच्छे प्रशासन के माध्यम से राज्य के सभी नागरिकों के जीवन को सरल, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाया जायेगा।

हमारा राज्य लगातार विकास कर रहा है। इन दिनों काम को और आगे बढ़ाया गया है। अगले 5 वर्षों में और ज्यादा काम होगा जिससे बिहार काफी आगे बढ़ेगा। केन्द्र सरकार का भी पूरा सहयोग प्राप्त हो रहा है। बिहार और अधिक विकसित होगा तथा देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो जायेगा और देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

राज्य सरकार द्वारा सभी तबकों का विकास किया जा रहा है, चाहे हिन्दू हो या मुस्लिम हो, दलित हो या महादलित हो, पिछड़ा हो या अति पिछड़ा हो या अपर कास्ट हो– सभी के लिए काम किया गया है।

सरकार की कामना है कि समाज में सद्भाव एवं भाईचारा का वातावरण कायम रहे। हमारा राज्य प्रगति के पथ पर अग्रसर रहे। आइये, गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर हम सब यह संकल्प लें कि बिहार को विकसित एवं खुशहाल राज्य बनाने में अपना सहयोग प्रदान करेंगे। गणतंत्र दिवस के अवसर पर एक बार पुनः सबको अपनी शुभकामनायें देता हूँ।

लोकाः समस्ता, सुखिनो भवन्तु।

धन्यवाद।

जय बिहार !

जय हिन्द!

***